खून की जांच में बड़ा खेल, रिपोर्ट पर भी सवाल

खास बातें

- शहर में 150 से ज्यादा पैथोलॉजी लैब होने का दावा
- कई पर डिग्री-रजिस्ट्रेशन के बिना संचालन के आरोप
- कमीशन पर मरीज जुटाने से लेकर जांच शुल्क की मनमानी तक उठ रहे सवाल

नवभारत न्यूज

विदिशा 17 सितम्बर, बीमारी की सही पहचान और इलाज की दिशा तय करने में खून की जांच सबसे अहम मानी जाती है, लेकिन शहर में संचालित पैथोलॉजी लैब की व्यवस्था पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं. शहर में करीब 150 से ज्यादा लैब संचालित होने की बात सामने आ रही है. इनमें से कितनी लैब नियमानुसार पंजीकृत हैं, कितनों के पास योग्य पैथोलॉजिस्ट हैं और कितनी जगहों पर निर्धारित मानकों के अनुसार जांच हो रही है, इसकी नियमित जांच को लेकर सवाल उठ रहे हैं. मरीजों को अलग-अलग जांचों के पैकेज और कम कीमत का हवाला देकर लैब तक पहुंचाया जाता है. कुछ लोगों का यह भी आरोप है कि डॉक्टरों और लैब संचालकों के बीच कमीशन आधारित व्यवस्था के जरिए मरीज भेजे जाते हैं. हालांकि इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है. सबसे बड़ा सवाल यह है कि मरीज को जांच की वास्तविक जरूरत और उसकी कीमत की जानकारी कितनी पारदर्शिता से दी जा रही है. कई मामलों में मरीजों को डॉक्टर की सलाह के आधार पर एक से अधिक जांचें करानी पड़ती हैं, लेकिन इन जांचों की फीस निर्धारित होने और उसकी सार्वजनिक जानकारी को लेकर स्पष्ट व्यवस्था नजर नहीं आती.

डिग्री से लेकर रजिस्ट्रेशन तक उठ रहे सवाल

पैथोलॉजी लैब संचालन में प्रशिक्षित और योग्य विशेषज्ञ की भूमिका महत्वपूर्ण है. इसके बावजूद शहर में कुछ लैब पर बिना योग्य पैथोलॉजिस्ट, आवश्यक डिग्री या वैध पंजीयन के संचालन के आरोप लगाए जा रहे हैं. यह भी चर्चा है कि कुछ संचालक पैथोलॉजिस्ट की डिग्री या विशेषज्ञ की सेवाएं किराये पर लेकर लैब चलाते हैं. यदि ऐसा हो रहा है तो यह मरीजों की जांच रिपोर्ट की विश्वसनीयता और उनकी सुरक्षा से जुड़ा गंभीर सवाल है.

एक ही मरीज की अलग रिपोर्ट, किस पर भरोसा?

जांच व्यवस्था में पारदर्शिता का एक और सवाल रिपोर्ट को लेकर है. मरीजों के बीच ऐसी शिकायतें सामने आती रही हैं कि एक ही जांच अलग-अलग लैब से कराने पर रिपोर्ट में अंतर आ जाता है. हालांकि हर अंतर का कारण लैब की गड़बड़ी नहीं होता और अलग मशीन, जांच पद्धति, सैंपल की स्थिति तथा रेफरेंस रेंज के कारण भी परिणाम बदल सकते हैं. फिर भी गंभीर मामलों में रिपोर्ट में बड़ा अंतर मरीज और डॉक्टर दोनों के लिए परेशानी पैदा कर सकता है.

स्वास्थ्य विभाग की निगरानी पर सवाल

इतनी बड़ी संख्या में लैब संचालित होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की ओर से इन प्रतिष्ठानों की नियमित जांच, पंजीयन और विशेषज्ञों की योग्यता की निगरानी किस स्तर पर हो रही है, यह बड़ा सवाल है. विभाग यदि नियमित निरीक्षण करता है तो कितनी लैब की जांच हुई, कितनों में कमियां मिलीं और कितनों पर कार्रवाई हुई, इसका सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने आना चाहिए. मरीजों के लिए भी यह जरूरी है कि वे जांच कराने से पहले लैब का पंजीयन, रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने वाले विशेषज्ञ की जानकारी और जांच की निर्धारित कीमत की जानकारी लें. वहीं प्रशासन के सामने सवाल है कि शहर की सभी लैब की जांच कर उनकी वैधता, विशेषज्ञों की योग्यता, मशीनों और जांच प्रक्रिया का सत्यापन कब किया जाएगा. इस मामले में सीएमएचओ डाक्टर रामहित कुमार का कहना है कि जिले में कितनी लैब है उनके रजिस्ट्रेशन की जांच के लिए अभियान चलाया जाएगा.बिना रजिस्ट्रेशन के चलने वाली लैव को सील किया जाएगा और नियमनुसान कार्यवाही भी की जाएगी.

बसों पर परिवहन विभाग की सख्ती 14 वाहनों पर चालानी कार्रवाई

- 12 वाहनों से 45 हजार रुपए शमन शुल्क वसूला, दो वाहन जब्त
- यात्री और स्कूल बसों में सुरक्षा मानकों की जांच

नवभारत न्यूज

विदिशा 17 सितम्बर,कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देश पर परिवहन विभाग ने गुरुवार को विदिशा नगर और सागर रोड क्षेत्र में वाहनों की सघन चेकिंग की. जिला परिवहन अधिकारी गिरिजेश वर्मा के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान दस्तावेज और परिवहन नियमों की जांच की गई.

नियमों का उल्लंघन मिलने पर 14 वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई. जांच के दौरान 12 वाहनों से कुल 45 हजार रुपए का शमन शुल्क वसूला गया, जबकि दो वाहनों को प्रकरण के निराकरण तक जब्त कर जिला परिवहन कार्यालय परिसर में रखा गया है. अभियान के दौरान यात्री बसों और स्कूल बसों की विशेष जांच की गई. विद्यार्थियों और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े निर्धारित मानकों, आवश्यक दस्तावेजों तथा अन्य परिवहन नियमों के पालन की स्थिति देखी गई. जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए वाहनों की जांच लगातार जारी रहेगी. खासकर यात्री और स्कूल बसों में सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर विभाग सतत निगरानी रखेगा.

श्री कारस देव नारायण मंदिर में भंडारा एवं गोटे का आयोजन

नवभारत न्यूज

पठारी। नगर के खुरई रोड पर तहसील कार्यालय के समीप स्थित श्री कारस देव नारायण मंदिर में भंडारा एवं गोटे के कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान श्री कारस देव नारायण की विशेष पूजा-अर्चना एवं हवन किया गया. इसके बाद भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें दोपहर से देर रात तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की.भंडारा समिति के सदस्यों ने बताया कि रात 8 बजे से विशेष गोटे एवं भजन-गायन का कार्यक्रम शुरू किया गया, जो सुबह तक चलेगा. कार्यक्रम में विभिन्न समाज और वर्गों के नागरिक शामिल होकर भजन-गायन का आनंद लेते हैं. प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस धार्मिक कार्यक्रम में दूर-दूर से श्रद्धालु और गायक भी शामिल होते हैं.आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही.

8 शिविर, 138 यूनिट रक्त संग्रहित, 1400 का था टारगेट

- मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में जमा हुआ रक्त
- जरुरतमंद मरीजों के उपचार में आएगा काम

नवभारत न्यूज

विदिशा,सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में पहले दिन आठ स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए. जहां एक दिन पहले बताया गया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में 1400 युनिट ब्लड एकत्रित करने का लक्ष्या रखा गया था जिसके मुकाबले में जिले सिर्फ 138 युनिट ही ब्लड एकत्रित हो सका.

सुबह 10 से शाम 4 बजे तक चले शिविरों में नागरिकों और रक्तदाताओं ने उत्साह से सहभागिता की. इन शिविरों में कुल 138 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया. एकत्रित रक्त में 62 यूनिट मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक और 76 यूनिट जिला चिकित्सालय विदिशा के ब्लड बैंक में संग्रहित किया गया है. स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जरूरत के समय इसका उपयोग मरीजों के उपचार और आपातकालीन परिस्थितियों में किया जाएगा. सिविल अस्पताल सिरोंज में सबसे अधिक 32 यूनिट और बासौदा में 25 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ. मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल विदिशा में 22-22 यूनिट, नटेरन में 17, कुरवाई में 10, लटेरी में 8 और ग्यारसपुर में 2 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया. स्वास्थ्य विभाग ने रक्तदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है. अभियान का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ नागरिकों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है.

दस दिवसीय गणेश महोत्सव शुरू, नगर में जगह-जगह सजीं झांकियां

नवभारत न्यूज

पठारी। सनातन धर्म में प्रथम पूज्य माने जाने वाले भगवान गणेश का दस दिवसीय गणेश महोत्सव शनिवार से शुरू हो गया. गणेश चतुर्थी के अवसर पर भक्तों ने अपने घरों में विधि-विधान से भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की, वहीं नगर के करीब एक दर्जन स्थानों पर युवाओं की टोलियों ने पंडाल सजाकर झांकियां स्थापित की हैं.भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से शुरू हुआ गणेश महोत्सव अनंत चतुर्दशी तक चलेगा. इन दस दिनों में श्रद्धालु भगवान गजानन की पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. मंगलवार शाम से ही विभिन्न स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना का सिलसिला शुरू हो गया था, जो निर्धारित मुहूर्त के अनुसार देर रात तक चलता रहा.

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर संयुक्त यातायात अभियान, 92 वाहनों पर कार्रवाई

ऑटो, वैन सहित स्कूली वाहनों की जांच, 51 हजार रुपए समन शुल्क वसूला

नवभारत न्यूज

विदिशा. स्कूली बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विदिशा पुलिस ने मिशन सुरक्षित बचपन, सुरक्षित सड़क के तहत नगरीय क्षेत्र में संयुक्त यातायात अभियान चलाया. यातायात पुलिस के साथ कोतवाली, सिविल लाइन और पुलिस लाइन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने स्कूली बच्चों को ले जाने वाले ऑटो, वैन और अन्य वाहनों की सघन जांच की. अभियान के दौरान वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य दस्तावेजों की जांच की गई. निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने के साथ सुरक्षा जाली, गेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की स्थिति भी देखी गई. कमियां मिलने पर 92 वाहनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर 51 हजार रुपए का समन शुल्क वसूला गया. यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और निर्धारित क्षमता के अनुसार ही परिवहन करने की समझाइश दी. वाहनों में फर्स्ट एड किट और अग्निशमन यंत्र रखने तथा ब्रेक-टायर सहित तकनीकी सुरक्षा की नियमित जांच के निर्देश दिए गए. चालकों को नशे और तंबाकू का सेवन नहीं करने की हिदायत भी दी गई

लोक सेवा गारंटी में देरी पड़ी भारी, राजस्व अधिकारियों पर 42 हजार से ज्यादा की शास्ति

नवभारत न्यूज

विदिशा, 17 सितंबर. लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत तय समय-सीमा में नागरिकों को सेवाएं उपलब्ध नहीं कराना राजस्व अधिकारियों को भारी पड़ा. लंबित आवेदनों का समय पर निराकरण नहीं करने और जारी कारण बताओ नोटिस के संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अपर कलेक्टर एवं द्वितीय अपीलीय अधिकारी के न्यायालय ने विभिन्न राजस्व अधिकारियों पर कुल 42 हजार रुपए से अधिक की शास्ति अधिरोपित की है . जारी आदेश के अनुसार तहसीलदार ग्रामीण विदिशा पर एक आवेदन के लिए 500 रुपए, जबकि नायब तहसीलदार वृत्त -2 खामखेड़ा पर 10 आवेदनों के लिए 30 हजार रुपए की शास्ति लगाई गई है. तहसीलदार बासौदा पर 1,500 रुपए, तहसीलदार मंडल 4 सिरोंज पर दो आवेदनों के लिए 2,250 रुपए, तहसीलदार लटेरी पर 750 रुपए और तहसीलदार ग्यारसपुर पर दो आवेदनों के लिए 1,000 रुपए की शास्ति निर्धारित की गई. इसी तरह नायब तहसीलदार ग्यारसपुर पर तीन आवेदनों के लिए 1,750 रुपए तथा नायब तहसीलदार वृत्त क्रमांक-3 शहरखेड़ा के विभिन्न प्रकरणों में 2,000, 1,000 और 500 रुपए की शास्ति लगाई गई. वृत्त अंबानगर, बासौदा के एक आवेदन पर भी 500 रुपए की शास्ति निर्धारित की गई है. प्रशासन के अनुसार कार्रवाई का उद्देश्य लोक सेवाओं के आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना और नागरिकों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना है.

माला देवी मंदिर में ऐन वक्त पर बदला दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम का स्थान

- पुरातत्व विभाग की अनुमति नहीं मिलने पर अधिकारियों ने चुना वैकल्पिक स्थल
- तैयारियों के बावजूद बदलनी पड़ी व्यवस्था

नवभारत न्यूज

ग्यारसपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत ऐतिहासिक माला देवी मंदिर परिसर में प्रस्तावित दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम का स्थान ऐन वक्त पर बदलना पड़ा. कार्यक्रम को लेकर खंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा तैयारियां पूरी कर ली गई थीं. जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था.

बताया गया कि कार्यक्रम शुरू होने से कुछ समय पहले पुरातत्व विभाग के अधिकारी संदीप महतो ने ऐतिहासिक स्थल परिसर में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी. अनुमति नहीं मिलने के बाद मौके पर की गई तैयारियों के बावजूद अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल बदलना पड़ा.

इसके बाद अधिकारियों ने आनन-फानन में वैकल्पिक स्थल का चयन किया, जहां दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम संपन्न कराया गया. कार्यक्रम में पहुंचे जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों के बीच ऐतिहासिक स्थल पर अनुमति नहीं मिलने को लेकर चर्चा होती रही.कार्यक्रम स्थल बदलने के कारण अधिकारियों को अंतिम समय में व्यवस्थाओं में बदलाव करना पड़ा. हालांकि, वैकल्पिक स्थल पर निर्धारित कार्यक्रम को पूरा किया गया.

ओलंपस हाई स्कूल में गूंजे गणपति बप्पा के जयकारे

नवभारत न्यूज

विदिशा। ओलंपस हाई स्कूल में गणेश महोत्सव के अवसर पर गणेश महाआरती का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जॉइंट कलेक्टर दीपा श्री गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि लायंस क्लब विदिशा के राजकुमार सराफ, अजय साहू, वी.पी. सिंह, डॉ. दिनेश शर्मा एवं घनश्याम दास अग्रवाल उपस्थित रहे.कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ. विद्यार्थियों ने गणपति जन्म पर आधारित डांस एक्ट, शिव तांडव सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया. इस दौरान विद्यालय प्रांगण गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंज उठा.मुख्य अतिथि दीपा श्री गुप्ता ने कहा कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में संस्कार, भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है. शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को अच्छे संस्कारों और जिम्मेदार नागरिकता के मूल्यों से जोड़ना भी है.कार्यक्रम में विद्यालय संस्थापक यशपाल सिंह रघुवंशी, संचालक मोहित रघुवंशी, अकादमिक डायरेक्टर प्राची रघुवंशी, प्राचार्य प्रियंका सिंह, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे. अंत में सभी ने सामूहिक रूप से भगवान गणेश की महाआरती कर सुख, समृद्धि, शांति एवं मंगल की कामना की.

दीपों से रोशन हुआ बाढ़ वाला श्री गणेश मंदिर

विश्वकर्मा पूजन चल समारोह का जगह-जगह हुआ स्वागत

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा। देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर नगर में विश्वकर्मा पूजन चल समारोह निकाला गया. शोभायात्रा के दौरान नगरवासियों ने जगह-जगह भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर पुष्पवर्षा करते हुए श्रद्धालुओं का स्वागत किया.

चल समारोह के दौरान भजन-कीर्तन एवं भगवान विश्वकर्मा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा. विभिन्न समाजों की ओर से अलग-अलग स्थानों पर पंडाल लगाकर शोभायात्रा का स्वागत किया गया तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया.कांग्रेस पार्टी की ओर से वरिष्ठ नेता जगदीश सुहाने द्वारा चल समारोह में शामिल श्रद्धालुओं के लिए लड्डू का वितरण किया गया. इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थित होकर श्रद्धालुओं का स्वागत किया.विश्वकर्मा समाज मंदिर एवं धर्मशाला परिसर में भी भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई.

दिलीप संघाणी के आईसीए ग्लोबल बोर्ड में निर्वाचित होने पर दी बधाई

नवभारत न्यूज

विदिशा। पनामा में आयोजित इंटरनेशनल कोऑपरेटिव एलायंस की महासभा में इफको के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सहकारी नेता दिलीप संघाणी के ग्लोबल बोर्ड में निदेशक निर्वाचित होने पर सहकारिता जगत के प्रतिनिधियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है.

सहकारी प्रतिनिधियों ने कहा कि संघाणी का आईसीए ग्लोबल बोर्ड में निर्वाचन भारत के सहकारिता आंदोलन के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है. इससे अंतरराष्ट्रीय सहकारिता मंच पर भारत की भूमिका और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है.बधाई देने वालों में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक विदिशा के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर शर्मा, भगवान सिंह धाकड़ (वर्धा), कल्याण सिंह रघुवंशी, एडवोकेट अंशुज शर्मा (सेऊ), इफको प्रतिनिधि दीपक बाजपेई, पूर्व पार्षद, दीप सिंह रघुवंशी, घनश्याम शर्मा, नीलम सिंह, भीमसेन एवं वीर सिंह विश्वकर्मा सहित अनेक सहकारी प्रतिनिधि शामिल हैं.सभी ने दिलीप संघाणी को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की मंगलकामना की.

आयोजन | **राष्ट्रीय अभियंता दिवस पर 300 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा, मॉडल और पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किए नवाचार**

एसएटीआई में 'पैरंथॉन-उद्यम प्रधान श्रेष्ठ भारत' का आयोजन

नवभारत न्यूज

विदिशा, 16 सितंबर। सम्राट अशोक अभियांत्रिकी संस्थान में राष्ट्रीय अभियंता दिवस-2026 के अवसर पर 'पैरंथॉन - उद्यम प्रधान श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम को मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी , भोपाल का सहयोग एवं समर्थन प्राप्त हुआ.

कार्यक्रम के अंतर्गत मॉडल एग्जीबिशन और पोस्टर प्रेजेंटेशन के लिए 25-25 टीमों ने पंजीयन कराया. प्रत्येक टीम में छह विद्यार्थी शामिल रहे, इस प्रकार कुल 300 विद्यार्थियों ने सहभागिता की. विद्यार्थियों ने विभिन्न तकनीकी एवं नवाचार आधारित विचारों को मॉडल और पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया.

कार्यक्रम का उद्घाटन 16 सितंबर को एसएटीआई के स्मार्ट क्लासरूम में हुआ. मुख्य अतिथि संस्था के डायरेक्टर डॉ. वाय.के. जैन रहे. इस अवसर पर डीन एकेडमिक डॉ. आलोक जैन, डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. जितेंद्र पाराशर, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड डॉ. आलोक दातार, एआई विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील जोशी, कार्यक्रम संयोजक एवं सीएसई विभागाध्यक्ष डॉ. कनक सक्सेना, सह-संयोजक डॉ. दिव्य ऋषि साहू, स्टाफ एवं प्रतिभागी विद्यार्थी उपस्थित रहे.कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ. दिव्य ऋषि साहू ने बताया कि विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के कार्यक्षेत्र से जुड़ी समस्याओं को तकनीकी शिक्षा के माध्यम से हल करने के लिए मॉडल एवं पोस्टर तैयार किए. इसका उद्देश्य अभिभावकों की निगरानी में विद्यार्थियों के बीच नवाचार, उद्यमिता एवं रचनात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा स्टार्टअप संस्कृति के प्रति रुचि विकसित करना है.कार्यक्रम संयोजक डॉ. कनक सक्सेना ने विद्यार्थियों को एआई तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता से बचने और अपनी क्षमताओं एवं कौशल का विकास करने के लिए प्रेरित किया. संस्था के डायरेक्टर डॉ. वाय.के. जैन ने कार्यक्रम की अभिनव पहल की सराहना की. विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने तकनीकी एवं नवाचार आधारित विचार प्रस्तुत किए.